

भरतपुर महाराजा सवाई जवाहर सिंह जाट छात्रावास, जयपुर

1. **नाम व पता** — भरतपुर महाराजा सवाई जवाहर सिंह जाट छात्रावास, जयपुर
2. **इतिहास** — श्री विजय पूनिया जाट कौम की सेवा में विशेष रूप से विद्यार्थियों के हित में समर्पित व्यक्तिगत है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण है स्वाधीन छात्रावास जयपुर एवं सवाई जवाहर सिंह जाट छात्रावास जयपुर 1970 से विद्यार्थी सेवा का सफर अनवर्त जारी है। पहले स्वाधीन छात्रावास का संचालन शुरू किया, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने एवं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए श्री पूनिया ने 1991-92 में विश्वविद्यालय के पास प्राईवेट सोसायटी से 400-400 वर्गगज के 02 प्लॉट स्वयं की आय से खरीद कर उनका पट्टा बनवाकर उस पर भरतपुर के लोक प्रिय शासक महाराजा सवाई जवाहर सिंह के नाम पर छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू करवाया। शुरू में चार कमरें बनाकर 1992-93 में छात्रावास चालू कर दिया, एवं निर्माण कार्य अनवरत जारी रहा। समाज के दानदाताओं से चन्दा लिये बिना श्री पूनिया ने निजी आय से 1993 में 55 कमरें बनाकर 1993 में ही पूर्ण क्षमता के साथ छात्रावास आरम्भ कर दिया। यह छात्रावास स्वाधीन छात्रावास समिति के अधीन संचालित है। इस छात्रावास के 55 कमरों में 120 विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है। हर समय यहाँ पूर्ण क्षमता में विद्यार्थी रहकर विद्या अध्ययन कर रहे हैं। छात्रावास में आवासीय कमरों के अलावा मैस मनोरंजन कक्ष आदि भी बने हुए हैं। खेल मैदान के साथ-साथ वृक्षारोपण से छात्रावास परिसर में हरियाली फैली हुई है। छात्रावास में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए ऑपन जिम की व्यवस्था है।
3. **कार्यकारिणी** — इस छात्रावास की स्थापना से लेकर वर्ष 2022 तक श्री विजय पूनिया अध्यक्ष रहे एवं छात्रावास की जमीन खरीदकर नींव के पत्थर से लेकर सम्पूर्ण निर्माण के बाद पिछले 30 वर्षों तक सफल संचालन करते हुए छात्रावास के विद्यार्थियों ने इनके उत्तम प्रबन्धन एवं कठोर अनुशासन के कारण अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की। सन् 2022 में श्री विजय पूनिया ने नई पीढ़ी को मौका देने एवं प्रबंधन कौशल युक्त नई टीम तैयार करने हेतु स्वेच्छा से अध्यक्ष पद का त्याग कर दिया एवं सर्व सम्मति से छात्रावास का संरक्षक पद आसीन हो गए ताकि आगे भी इनका संरक्षण एवं मार्गदर्शन मिलता रहे। वर्ष 2022 से श्री भक्त सिंह लोहागल को अध्यक्ष बना दिया गया है।
एलुमिनी — इस छात्रावास में रहकर विद्यार्जन कर छात्रावास एवं समाज का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थी सब के लिए प्रेरणा स्रोत व्यक्तित्व रहे हैं। श्री के राम डीजीपी पुलिस, श्री जयसिंह श्योराण (आरएचजेएस), श्री प्रेमा राम चौधरी, लेखाधिकारी, श्री दिलिप जांखड़ आईपीएस, श्री धन्नाराम राहड़ शिक्षक, श्री ओमप्रकाश (आरएचजेएस) आदि।

4. **भौतिक संसाधन** — इस छात्रावास में विद्यार्थियों के लिए 55 कमरें बने हुए हैं। इसमें विद्यार्थियों के लिए रसोईघर डाइनिंग हॉल, पुस्तकालय, ओपन जिम, खेल मैदान सहित समस्त सुविधाएँ हैं।

संस्थान के दानवीर — भूमि एवं भवन के दानदाता श्री विजय पूनिया।

5. **विद्यार्थी** — विश्वविद्यालय में नियमित अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ही मैरिट के आधार पर ही प्रवेश दिया जाता है। दिव्यांग विद्यार्थियों एवं अनाथ विद्यार्थियों को विशेष छूट दी जाती है एवं उनका खर्चा श्री पूनिया द्वारा वहन किया जाता है। इस छात्रावास में रहने वाला कोई भी विद्यार्थी छात्रसंघ चुनाव नहीं लड़ सकता, ताकी छात्रावास में अनुशासन बना रहे।

एलुमिनी — यहाँ लिखना है।

वार्डन — श्री जगदीश सिहाग 1992–2006

श्री रामस्वरुम गिल 2007 से लगातार...

6. **प्रवेश प्रक्रिया एवं नियमावली** — इस छात्रावास में जाट समाज के कॉलेज में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इस छात्रावास में दिव्यांग, अत्यंत निर्धन परिवार के विद्यार्थियों को निःशुल्क या विशेष रियायत के साथ श्री पूनिया द्वारा रखा जाता है। इस छात्रावास के विद्यार्थियों को छात्र राजनीति में भाग लेने से पूर्ण मनाही एवं ये विद्यार्थी छात्रसंघ चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।
7. **भोजन एवं आवास व्यवस्था** — छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए शुरू से ही सामूहिक मैस व्यवस्था है जहाँ उन्हें नियमित पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जाता है।

8. **भौतिक संसाधन** —